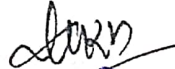


26/2/2021

वकील फर्किने उपस्थित पत्रावली में  
निर्णय प्रथक से लिखाया जाऊ शक्ति  
पत्रावली लिख गया पत्रावली के सब  
सुमार छेक नम्बर से कम होक  
हम कील दावा रहे

  
उपखण्ड अधिकारी  
करौली (राज०)



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी करौली (राज)

पीठासीन अधिकारी देवेन्द्रसिंह परमार आर.ए.एस

किस्म मुकदमा

ता.रजू

मु.न.  
02/2016

धारा 212 आर.टी.एक्ट

24.02.2016

हरिकिशन पुत्र ठुकरी जाति जाटव निसासी मुरलीपुरा करौली तहसील व जिला करौली  
—सायल

**बनाम**

1. रमेश पुत्र सुई हरिजन जाति हरिजन निवासी होली खिडखिडकिया करौली जिला करौली
2. अमरलाल पुत्र चिम्मन जाति जाटव निवासी मुरलीपुरा तहसील व जिला करौली
3. रामकिशन पुत्र चिम्मन जाति जाटव निवासी मुरलीपुरा तहसील व जिला करौली
4. सोनवाई वेवा चिम्मन जाति जाटव निवासी मरलीपुरा तहसील व जिला करौली
5. रामदयाल पुत्र चिम्मन जाति जाटव निवासी मरलीपुरा तहसील व जिला करौली
6. श्रीमति ब्रहमावाई पत्नि रामकिशन जाति जाटव निवासी मरलीपुरा तहसील व जिला करौली
7. लैण्ड होल्डर तहसीलदार तहसील व जिला करौली

—गैरसायलान

**निर्णय**

दिनांक 26.02.2021

संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि सायलान ने यह प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया है कि सायल के पूर्वजों की संयुक्त खाते कब्जे की आराजी खसरा नम्बर 7147 रकवा 2 वीधा 4 विस्वा कस्वा करौली पटवार हल्का 10 में स्थित है जो सायल के बाबा मुरली पुत्र टुण्डा के नाम चली आ रही है। जबकि गैरसायलान का उक्त भूमि से कोई ताल्लुक व सरोकार नहीं है गैरसायल नम्बर 1 ता 6 लठठ के बल पर उक्त जमीन पर कब्जा करने पर उतारू है जिसका उन्हें कोई हक हासिल नहीं है सजरा प्रार्थना पत्र में दर्ज किया है सजरा से सायल ठकुरी के वारिस है। भूमि का नामान्तरण सायल व गैरसायलान के नाम नहीं हुआ है। सायल उक्त भूमि का लीगल वारिस है। इस लिए सायल के हक में इन्द्राज दुरुस्ती कर घोषणात्मक डिकी प्रदान करते हुये राजस्व रिकार्ड में अमल कराया जावे। सायल गरीब परिवार का व्यक्ति है और गैरसायल सहजोर व लठठ वाले व्यक्ति है। जो सायल की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहन वय पर उतारू है यदि गैरसायलान अपने मकसद में कामयाब हो गये तो सायल को अपूर्णाय क्षति होगी सायल के खातेदारी अधिकारों का हनन होगा जिसकी पूर्ति जरे कीमत सम्भव नहीं है इस लिए सायल गैरसायलान को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद कराने का अधिकारी है।

प्रार्थना पत्र सायल दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया गया।

गैरसायलान द्वारा कोई जबाव प्रार्थना पत्र पेश नहीं करने पर दिनांक 23.02.2021 को जबाव प्रार्थना पत्र गैरसायल वन्द किया गया।

बहस वकील उभय पक्ष सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन किया गया। वकील सायल का बहस में कथन है कि वादग्रस्त आराजी सायल के बाबा मुरली पुत्र टुण्डा के समय की है। सायल ठकुरी व मुरली का वैध वारिस है वादग्रस्त भूमि से गैरसायलान का कोई सम्बन्ध नहीं है गैरसायलान ताकत वर लठठ वाले व्यक्ति है। और सायल के खाते व कब्जे की पुश्तैनी भूमि पर कब्जा कर अनाधिकार रूप से रहन वय करने पर उतारू हो रहे है जिससे सायल के हक हकूक पर आधात है सायल के अपूर्णाय क्षति व भारी असुविधा है इस लिए गैरसायलान को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जावे।

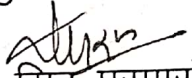
वकील गैरसायलान का बहस में कथन है कि सायल द्वारा कम्प्यूटर से प्राप्त जमाबन्दी प्रार्थना पत्र पेश की है सायल का वादग्रस्त आराजी से कोई सम्बन्ध नहीं है भूमि पर गैरसायलान का बिज काशत है सायल ने गलत दावा व प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये है प्रार्थना पत्र सायल खारिज किया जावे।

बहस वकील उभय पक्ष का मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड जमाबन्दी शपथ पत्र सायल व सजरा का विवेचन कर अवलोकन किया गया। प्रस्तुत

जमाबंदी सम्बत 2068 से 2071 मे मुरली पुत्र टुण्डा जाटव के खातेदारी मे दर्ज है। सजरा दर्ज प्रार्थना पत्र मे सायल ने अपने को पूर्वज मुरली का वारिस होना अपने को ठकुरी का पुत्र होना दर्ज किया है। जिसका कोई खण्डन गैरसायलान ने नहीं किया है गैरसायलान द्वारा कोई जबाव प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं किया ना कोई दस्तावेज प्रस्तुत किया है। जिससे सायल का वादग्रस्त भूमि से सम्बन्ध नहीं हो एवं मुरली का वारिस नहीं हो प्रथम दृष्टया सायल द्वारा प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड व सजरा एवं शपथ पत्र से सायल के हक मे प्रतीत होता है। अपूर्णिय क्षति व सुविधा का सन्तुलन अस्थाई निषेधाज्ञा जारी किये जाने पर सायल के पक्ष मे प्रकट होती है। प्रार्थना पत्र सायल स्वीकार किये जाने योग्य है।

अतः प्रार्थना पत्र सायल विरुद्ध गैरसायलान स्वीकार किया जाता है गैरसायलान को ताफैसला वाद पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि गैरसायलान सायल के खसरा नम्बर 7147 रकवा 2 वीधा 4 विस्वा कस्वा करौली पटवार हल्का नम्बर 10 तहसील करौली मे कब्जे काशत मे वाधा उत्पन्न नहीं करे एवं भूमि के राजस्व रिकार्ड की स्थिति धथावत रखे।

निर्णय आज दिनांक 26.02.2021 को खुले न्यायालय मे लिखाया जाकर सुनाया गया।

  
(देवेन्द्र सिंह परमार)  
उपखण्ड अधिकारी  
करौली (स.ज.)  
करौली